कह रहा है ज़मी से गगन
रहम दिल थे बड़े गुरुबचन।
खून अपने जिगर का बहाकर
रंग डाला है देखो चमन।

वो गए तो जहाँ ने कहा वो मसीहा कोई लुकमान थे,
सबके दिल मे था उनका बसेरा
हम सब की वो जिंदजान थे
भूल सकता नही उनको मन,
रहम दिल थे...

बंदों में हो मानव एकता गुरुबचन जी ये कह के गए,
नफरतों का ना तूफान हो, चैन से सारी दुनिया रहे,
देश परदेश में हो अमन,
रहम दिल थे...

जन्म पाया था सच के लिए, हुए कुर्बान सच के लिए,
काम जो जो उन्होंने किये, सब के दिल पे है लेखे हुए,
दे रहा है गवाही गगन,
रहम दिल थे...

संग उनके चली राजमाँ, जनता हैं ये सारा जहाँ,
बाबू ओमी हकिकी मिशन, लेके गए वो कहाँ से कहाँ,
हम भी करते है उनको नमन,
रहम दिल थे....

तर्ज़: ज़िन्दगी की ना टूटे लड़ी...

12:38 pm